



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 278]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 1, 2004/अग्रहायण 10, 1926

No. 278]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 1, 2004/AGRAHAYANA 10, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 2004

जांच शुरूआत

विषय : चीन जनवादी गणराज्य से 1-फेनिल-3 मेथिल-5-पायराजोलोन के आयात के बारे में पाटनरोधी जांच की शुरूआत करना

फा. सं. 14/11/2004-डीजीएडी.—चूंकि मै0 प्राइमा केमिकल्स तथा पॉलीगान केमिकल्स, अहमदाबाद (जिसे आगे याचिकाकर्ता कहा गया है) ने 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 1-फेनिल-3 मेथिल-5 पायराजोलोन (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

तथा चूंकि प्राधिकारी यह समझते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य विद्यमान हैं इसलिए

प्राधिकारी कथित पाटन तथा उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति के संबंध में किसी कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा तथा प्रभाव का निर्धारण करने तथा ऐसे पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निराकरण करने के लिए पर्याप्त हो, के लिए एतद्वारा जांच की शुरुआत करते हैं।

2. विचाराधीन उत्पाद

संबद्ध उत्पाद कार्बनिक रसायन 1-फेनिल-3 मेथिल-5 पायराजोलोन है जिसका एनालजिन, विलायक रंजकों तथा वर्णक रंजकों तथा वर्णक ओरेंज 13 के विनिर्माण के लिए रंजक तथा भेषज उद्योग में उपयोग किया जाता है। उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 तथा उपशीर्ष 29331920 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, उत्पाद का कथित रूप से विभिन्न अन्य छह अंकीय स्तर शीर्षों के तहत आयात किया गया है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं : 293319, 291634, 291739, 292429, 293311, 293359, 294200 तथा 980200। तथापि, सीमाशुल्क तथा आई टी सी एच एच वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है तथा वर्तमान जांच के दायरे में किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

3. घरेलू उद्योग और इसकी स्थिति

याचिका मै0 प्राइमा केमिकल्स तथा पोलीगोन केमिकल्स, अहमदाबाद द्वारा दायर की गयी है। याचिकाकर्ता की स्थिति संबंधी मांग की उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार जांच की गयी है। चूंकि उत्पाद का पर्याप्त उत्पादन करने वाले कोई अन्य ज्ञात उत्पादक नहीं है इसलिए प्राधिकारी का यह मत है कि याचिकाकर्ता का संबद्ध उत्पादों के घरेलू उत्पादन के मुख्य हिस्से पर आधिपत्य है तथा इसलिए वे नियमावली के नियम 5(3) (क) के अनुसार इस याचिका को दायर करने के लिए घरेलू उद्योग के रूप में स्थिति की कसौटी को पूरा करते हैं।

4. समान वस्तुएं

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उत्पादक द्वारा विनिर्मित उत्पाद तथा संबद्ध देश द्वारा आयातित उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है। उत्पाद का प्रयोक्ता उद्योगों तथा साथ ही व्यापारियों द्वारा अन्य उद्योगों को पूर्ति करने के लिए सीधे ही आयात किया जाता है। उपभोक्ता घरेलू उत्पाद तथा संबंधित आयातित उत्पादों का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग कर रहे हैं।

घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद तथा संबद्ध देश द्वारा आयातित उत्पाद सभी आवश्यक विशेषताओं में एक समान हैं तथा इसलिए नियमावली के अनुसार शब्द के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों के मद्देनजर प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण की लागत के आधार पर, यथासंशोधित उल्लिखित नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 एवं 8 के अनुसार चीन में परिकलित सामान्य मूल्य पर प्रथम दृष्ट्या विचार किया है तथापि वैयक्तिक निर्यातक इस परिकल्पना को निरस्त कर सकते हैं तथा प्राधिकारी वैयक्तिक निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की प्रासंगिक नियमावली के अनुसार जांच करेंगे।

6. निर्यात कीमत

निर्यात कीमत का अनुमान डी जी सी आई तथा एस तथा अन्य द्वितीयक स्रोतों से संग्रहित आंकड़ों के आधार पर किया गया है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा तथा बट्टा, निर्यात के देशों/क्षेत्रों में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के आधार पर समायोजन का परिकलन कारखाना द्वारा पर निर्यात कीमत तक पहुँचने के लिए किया गया है।

7. पाटन का मार्जिन

इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमतों से काफी अधिक हैं जिससे प्रथम दृष्ट्या यह पता चलता है कि संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग को क्षति संबंधी विभिन्न मापदण्डों पर सूचना उपलब्ध कराई है। उत्पादन में कमी, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, बिक्री वसूली, निरपेक्ष रूप से तथा उत्पादों की मांग की तुलना में आयातों की मात्रा में वृद्धि, बाजार हिस्से में कमी, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण, निवेश पर कम आय, संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण में लाभप्रदता तथा नकद घाटा जैसे मापदण्ड सामूहिक रूप से प्रथम दृष्ट्या यह संकेत देते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

9. प्रक्रिया

(क) संबद्ध देश- वर्तमान जांच में संबद्ध देश चीन जनवादी गणराज्य है।

(ख) जांच की अवधि- वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1.4.2003 से 31.3.2004 है। तथापि, क्षति जांच अवधि में 2000-01 से 2002-03 तथा जांच अवधि शामिल है।

(ग) सूचना प्रस्तुत करना : - संबद्ध देशों के निर्यातकों और भारत के आयातकों जो इस जांच के संबंध में ज्ञात हैं, को निर्धारित विधि और पद्धति से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से संबोधित किया जा रहा है और उन्हें यह भी कहा जा रहा है कि वे अपने विचारों से निम्नलिखित को अवगत कराएँ :

निर्दिष्ट प्राधिकारी,
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,
वाणिज्य विभाग
उद्योग भवन,
नई दिल्ली- 110011

अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार जांच से संबंधित अपने निवेदन निम्नानुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्धारित विधि और पद्धति में कर सकता है ।

(घ) समय सीमा

वर्तमान जांच से सम्बन्धित कोई सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए जो इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 (चालीस) दिनों से पूर्व उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुँच जाए । तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा रहा है उन्हें उक्त सूचना, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 (चालीस) दिनों के भीतर प्रस्तुत करनी होगी ।

(ड.) सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार, कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं । यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है अथवा उसे उचित अवधि के भीतर अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथेचित सिफारिशें कर सकते हैं ।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st December, 2004

INITIATION

Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of 1-Phenyl-3-Methyl-5-Pyrazolone from China PR

1. Initiation

F.No. 14/11/2004-DGAD.— WHEREAS M/s Prima Chemicals and Polygon Chemicals, Ahmedabad, (herein after referred to as applicants) have filed an application

before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (herein after referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of 1-Phenyl-3-Methyl-5-Pyrazolone (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from the Peoples Republic of China (herein after referred to as subject country) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject country, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist, this Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

2. Products under consideration

The product involved is an organic chemical i.e. 1-Phenyl-3-Methyl-5-Pyrazolone, used in dye and pharmaceutical industry for manufacture of Analgin, Solvent Dyes and Pigment Dyes, and Pigment Orange 13. The product is classified under Chapter 29 of Customs Tariff Act and sub heading 29331920. However, the product is allegedly imported under several other heads at six digit level including the following: 293319, 291634, 291739, 292429, 293311, 293359, 294200 and 980200. The Customs and ITC HS classifications are however, indicative only are in no way binding on the scope of the present investigation.

3. Domestic industry and Standing

The application has been filed by M/s Prima Chemicals and Polygon Chemicals, Ahmedabad. Standing requirement of the applicants has been examined in terms of the Rule 5 of the said Rules. Since there are no other known producer of this product having substantial production the Authority is of the opinion that the applicants commands major proportion of domestic production of the products involved and therefore, satisfy the criteria of standing as domestic industry to file this application in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules.

4. Like articles

The applicants have claimed that there is no difference between the product manufactured by the domestic producer and the products imported from subject Country. The products are being directly imported by the user industries and also by traders for supply to other industries. The consumers are using the domestic and corresponding import products interchangeably.

The products produced by the domestic industry and imported from subject Country are identical in all essential characteristics and therefore, like articles within the meaning of the term as per the Rules.

5. Normal value

In view of the Non-market economy claims by the petitioners the Authority has prima facie considered the Constructed Normal Value in China, based on cost of manufacturing the subject goods, in terms of Para 7 & 8 of the Annexure 1 to the said Rules as amended. However, the individual exporters may rebut this presumption and the Authority shall examine the market economy claims of individual exporters in terms of the relevant Rules.

6. Export price

The export price has been estimated on the basis of data collected from DGCI&S and other secondary sources. Adjustments on account of ocean freight, marine insurance, and commission, inland transportation in the Countries/territories of export, port handling and port charges have been made to arrive at the Export Price at ex-factory level.

7. Dumping margins

There is sufficient evidence that Normal Values of the subject goods in the subject country are significantly higher than the net export prices, indicating prima-facie that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject country.

8. Injury and causal link

Petitioners have furnished information on various parameters relating to injury to the domestic industry. Parameters, such as drop in out-put, capacity utilization, sales volume, sales realization, , increase in volume of imports both in absolute terms and in relation to the demand of the products, loss in market share, price under-cutting, price under-selling, Price depression, low return on investments, profitability and cash loss in the manufacturing of subject goods, prima-facie indicate, collectively that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping from the subject country.

9. Procedure

- a) **Country involved** The Country involved in the present investigation is the Peoples Republic of China.
- b) **Period of investigation (POI):** The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is **1.4.2003 to 31.3.2004**. The injury investigation period will however, cover the period 2000-01 to 2002-03 and the POI.

- c) **Submission of information** : The exporters in the subject Countries/territories, their governments through their embassies/ representatives in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Department of Commerce
Udyog Bhavan
New Delhi-110011.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

d) Time limit

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than **forty (40) days** from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within **(40) forty days** from the date of the letter addressed to them.

e) Inspection of public file

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority